



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 626]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, नवम्बर 27, 2014/अग्रहायण 6, 1936

No. 626]

NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 27, 2014/AGRAHAYANA 6, 1936

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 2014

**सा.का.नि. 845(अ).**—संविधान के अनुच्छेद 309 के परंतुक और अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग में कार्यरत कार्मिकों के संबंध में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के परामर्श से, राष्ट्रपति केंद्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियमावली, 1964 में आगे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:-

1. (1) इन नियमों को केंद्रीय सिविल सेवा (आचरण) (तृतीय संशोधन) नियमावली, 2014 कहा जाएगा।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. केंद्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियमावली, 1964 के नियम 3 के उप नियम (1) में खण्ड (iii) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड जोड़े जाएंगे, अर्थात्:-
  - “(iv) संविधान की सर्वोच्चता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति वचनबद्ध रहेगा;
  - (v). भारत की संप्रभुता और अखंडता, राष्ट्र, सार्वजनिक व्यवस्था, शिष्टता एवं नैतिकता की रक्षा करेगा एवं उसकी मर्यादा को बनाए रखेगा;
  - (vi). उच्च नैतिक मानकों और ईमानदारी को बनाए रखेगा;
  - (vii). राजनीतिक तटस्थता बनाए रखेगा;
  - (viii). कर्तव्यों के निर्वहन में योग्यता, ईमानदारी और निष्पक्षता के सिद्धांतों को बढ़ावा देगा;
  - (ix). जवाबदेही और पारदर्शिता बनाए रखेगा;
  - (x). जनता, विशेषतः कमजोर वर्गों के प्रति अनुक्रियाशील बना रहेगा;

- (xi). जनता के साथ शिष्ट और सद व्यवहार बनाए रखेगा;
- (xii). केवल लोकहित में निर्णय लेगा, सार्वजनिक संसाधनों का उपयोग कार्यकुशलता और प्रभावी ढंग से तथा मितव्ययिता से करेगा और करवाएगा;
- (xiii). अपने सार्वजनिक कर्तव्यों से जुड़े किसी निजी हित को प्रकट करेगा एवं किसी अंतर्विरोध का समाधान करने के लिए ऐसे कदम उठाएगा जिससे लोक हित की रक्षा होती हो;
- (xiv). किसी व्यक्ति अथवा संगठन से किसी प्रकार का वित्तीय अथवा अन्य प्रकार का आभार स्वीकार नहीं करेगा जिससे सरकारी कार्य का निष्पादन प्रभावित हो;
- (xv). सिविल सेवक के रूप में अपने पद का दुरुपयोग नहीं करेगा और न ही स्वयं के लिए, अपने परिवार के लिए या मित्रों के लिए वित्तीय एवं भौतिक संसाधन के रूप में लाभ प्राप्त करने के लिए कोई निर्णय लेगा;
- (xvi). केवल योग्यता के आधार पर निर्वचन करेगा, निर्णय लेगा और सिफारिश करेगा।
- (xvii). ईमानदारी एवं निष्पक्षता से कार्य करेगा एवं किसी के प्रति विशेषकर समाज के गरीब एवं सुविधाओं से वंचित वर्गों के प्रति भेदभाव नहीं करेगा;
- (xviii). किसी कानून, नियम, विनियम एवं स्थापित परिपाटियों के विरुद्ध कोई कार्य करने से विरत रहेगा;
- (xix). अपने कर्तव्य पालन के प्रति अनुशासित रहेगा और स्वयं को संसूचित विधि सम्मत आदेशों का पालन करेगा;
- (xx). तत्सामयिक किसी कानून में की गई अपेक्षा के अनुसार विशेषकर ऐसी सूचना, जिसके प्रकटन से भारत की अखण्डता, राष्ट्र की सुरक्षा, राष्ट्र के रणनीतिक, वैज्ञानिक या आर्थिक हित, विदेशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता हो या किसी अपराध के लिए दुष्प्रेरणा मिलती हो या किसी व्यक्ति को अवैध या गैर-कानूनी लाभ प्राप्त होता हो, के संबंध में अपने शासकीय दायित्व का निर्वहन करते हुए गोपनीयता बनाए रखेगा;
- (xxi). अपनी उच्चतर पेशेवर योग्यता और समर्पण के साथ कर्तव्य का निर्वहन करेगा।”

[फा. सं. 11013/6/2014-स्था.क]

ममता कुंद्रा, संयुक्त सचिव

**टिप्पणी :** मुख्य नियम, दिनांक 12 दिसम्बर, 1964 की का.आ. 4177 के तहत भाग-II, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii) द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् निम्नलिखित संशोधन किए गए थे :—

- |  |   |
|--|---|
| 1. का.आ. 482, दिनांक 14 फरवरी, 1970;     | 13. का.आ. 935, दिनांक 8 मार्च, 1986;        |
| 2. का.आ. 3643, दिनांक 4 नवम्बर, 1972;    | 14. का.आ. 1124, दिनांक 22 मार्च, 1986;      |
| 3. का.आ. 83, दिनांक 13 जनवरी, 1973;      | 15. का.आ. 3159, दिनांक 20 सितम्बर, 1986;    |
| 4. का.आ. 846, दिनांक 28 फरवरी, 1976;     | 16. का.आ. 3280, दिनांक 27 सितम्बर, 1986;    |
| 5. का.आ. 2563, दिनांक 17 जुलाई, 1976;    | 17. का.आ. 1965, दिनांक 8 अगस्त, 1987;       |
| 6. का.आ. 2691, दिनांक 24 जुलाई, 1976;    | 18. का.आ. 1454, दिनांक 14 मई, 1988;         |
| 7. का.आ. 4663, दिनांक 11 दिसम्बर, 1976;  | 19. का.आ. 2582, दिनांक 6 अक्टूबर, 1990;     |
| 8. का.आ. 2859, दिनांक 17 सितम्बर, 1977;  | 20. का.आ. 3132, दिनांक 26 दिसम्बर, 1992;    |
| 9. का.आ. 2859, दिनांक 30 सितम्बर, 1978;  | 21. सा.का.नि. 355, दिनांक 29 जुलाई, 1995;   |
| 10. का.आ. 3, दिनांक 6 जनवरी, 1979;       | 22. सा.का.नि. 637, दिनांक 31 अगस्त, 1996;   |
| 11. का.आ. 1270, दिनांक 10 मई, 1980;      | 23. सा.का.नि. 49, दिनांक 7 मार्च, 1998;     |
| 12. का.आ. 4812, दिनांक 19 अक्टूबर, 1985; | 24. सा.का.नि. 342, दिनांक 23 अक्टूबर, 1999; |

- |   |   |
|---|---|
| 25. सा.का.नि. 458, दिनांक 27 दिसम्बर, 2003; | 28. सा.का.नि. 370(अ), दिनांक 9 मई, 2011       |
| 26. सा.का.नि. 376, दिनांक 22 अक्टूबर, 2005; | 29. सा.का.नि. 149(अ), दिनांक 4 मार्च, 2014 और |
| 27. सा.का.नि. 8, दिनांक 31 जनवरी, 2009;     | 30. सा.का.नि. 823(अ), दिनांक 19 नवम्बर, 2014  |

**MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS**  
**(Department of Personnel and Training)**  
**NOTIFICATION**

New Delhi, the 27th November, 2014

**G.S.R. 845(E).**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution, and after consultation with the Comptroller and Auditor General of India in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Conduct) (Third Amendment) Rules, 2014.  
 (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In rule 3 of the Central Civil Service (Conduct) Rules, 1964, in sub-rule (1), after clause (iii), the following clauses shall be inserted, namely:—
  - “(iv) commit himself to and uphold the supremacy of the Constitution and democratic values;
  - (v) defend and uphold the sovereignty and integrity of India, the security of the State, public order, decency and morality;
  - (vi) maintain high ethical standards and honesty;
  - (vii) maintain political neutrality;
  - (viii) promote the principles of merit, fairness and impartiality in the discharge of duties;
  - (ix) maintain accountability and transparency;
  - (x) maintain responsiveness to the public, particularly to the weaker section;
  - (xi) maintain courtesy and good behaviour with the public;
  - (xii) take decisions solely in public interest and use or cause to use public resources efficiently, effectively and economically;
  - (xiii) declare any private interests relating to his public duties and take steps to resolve any conflicts in a way that protects the public interest;
  - (xiv) not place himself under any financial or other obligations to any individual or organisation which may influence him in the performance of his official duties;
  - (xv) not misuse his position as civil servant and not take decisions in order to derive financial or material benefits for himself, his family or his friends;
  - (xvi) make choices, take decisions and make recommendations on merit alone;
  - (xvii) act with fairness and impartiality and not discriminate against anyone, particularly the poor and the under-privileged sections of society;
  - (xviii) refrain from doing anything which is or may be contrary to any law, rules, regulations and established practices;
  - (xix) maintain discipline in the discharge of his duties and be liable to implement the lawful orders duly communicated to him;
  - (xx) maintain confidentiality in the performance of his official duties as required by any laws for the time being in force, particularly with regard to information, disclosure of which may prejudicially affect the sovereignty and integrity of India, the security of the State, strategic, scientific or economic interests of the State, friendly relation with foreign countries or lead to incitement of an offence or illegal or unlawful gain to any person;
  - (xxi) perform and discharge his duties with the highest degree of professionalism and dedication to the best of his abilities.”.

[F. No. 11013/6/2014-Estt.A]

MAMTA KUNDRA, Jt. Secy.

**Note:-** The Principal rules were published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), *vide* S.O. No. 4177 dated the 12th December, 1964 and subsequently amended by –

- |  |  |
|--|--|
| 1. S.O. 482, dated the 14th February, 1970;    | 16. S.O. 3280, dated the 27th September, 1986;   |
| 2. S.O. 3643, dated the 4th November, 1972;    | 17. S.O. 1965, dated the 8th August, 1987;       |
| 3. S.O. 83, dated the 13th January, 1973;      | 18. S.O. 1454, dated the 14th May, 1988;         |
| 4. S.O. 846, dated the 28th February, 1976;    | 19. S.O. 2582, dated the 6th October, 1990;      |
| 5. S.O. 2563, dated the 17th July, 1976;       | 20. S.O. 3132, dated the 26th December, 1992;    |
| 6. S.O. 2691, dated the 24th July, 1976;       | 21. G.S.R. 355, dated the 29th July, 1995;       |
| 7. S.O. 4663, dated the 11th December, 1976;   | 22. G.S.R. 367, dated the 31st August, 1996;     |
| 8. S.O. 2859, dated the 17th September, 1977;  | 23. G.S.R. 49, dated the 7th March, 1998;        |
| 9. S.O. 2859, dated the 30th September, 1978;  | 24. G.S.R. 342, dated the 23rd October, 1999;    |
| 10. S.O. 3, dated the 6th January, 1979;       | 25. G.S.R. 458, dated the 27th December, 2003;   |
| 11. S.O. 1270, dated the 10th May, 1980;       | 26. G.S.R. 376, dated the 22nd October, 2005;    |
| 12. S.O. 4812, dated the 19th October, 1985;   | 27. G.S.R. 8, dated the 31st January, 2009;      |
| 13. S.O. 935, dated the 8th March, 1986;       | 28. G.S.R. 370(E), dated the 9th May, 2011;      |
| 14. S.O. 1124, dated the 22nd March, 1986;     | 29. G.S.R. 149(E), dated the 4th March, 2014 and |
| 15. S.O. 3159, dated the 20th September, 1986; | 30. G.S.R. 823(E), dated the 19th November, 2014 |